[श्री मधु लिमये]

लैंट किया जाये। उस में दोष किस का है यह देखा जाय और अगर प्रिविलेज का सवाल बनता है, तो मैं उसके बारे में सोमवार को बाकायदा नोटिस दूंगा।

MR. DEPUTY-SPEAKER: They are in the Library.

SHRI MADHU LIMAYE: They have to be circulated to the press.

यह उनकी ड्यूटी है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Other necessary steps will follow, I suppose.

श्री जगन्नाथ राव जोशी (शाजापुर): उपाध्यक्ष महोदय, यह जाच करना बहुत आवश्यक है कि उन दो अनस्टार्ड क्वेस्चन्ज के बारे मे देर क्यों हो गई, जब कि उन का नोटिस इतना पहले दिया जाता है।

श्री मधु लिमये: बीस दिन पहले नोटिस दिया गया था—बल्कि पच्चीस दिन, क्योंकि वे ट्रांसफर हो गये थे।

MR. DEPUTY-SPEAKER: I just now told you that our Secretariat has taken up the matter with the Finance Ministry, that is, the concerned Ministry. What else can we do at this stage? I am giving you the facts.

SHRI P. M. MEHTA (Bhavnagar): It should be probed thoroughly as to who is responsible, who suppressed such an important information to the press.

MR. DEPUTY-SPEAKER: This is not a question of suppression. This is a question of being laid only.

श्री मधु लिमये: उपाध्यक्ष महोदय, अभी इस की सफाई नहीं हुई है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: We have written to the Finance Ministry. Let us get the reply from them. Since these Answers have been placed in the Library, the P.I.B., I think, must have received them now.

श्री मधु लिमये: उपाध्यक्ष महोदय, रिवाज यह है कि प्रैस इनफार्मेशन ब्यूरो के द्वारा सभी प्रश्नों के उत्तर कारेसपोंडेंटस को दिए जाते हैं। यह उन का काम कर्तव्य है। आप उन के लिए तीस पास देते हैं। मैंने आप को शकधर की किताब से पढ़ कर बताया है कि:

Their function is analogous to that of parliamentary correspondents.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The Answers have been placed in the Library. If they have not collected them, they should do it now. The P.I.B. is in the know of the matter. They should collect these Answers and circulate them to the press.

PROF. MADHU DANDAVATE (Rajapur): The matter becomes more serious because it is related to the behaviour of a Minister and, therefore, a suspicion arises that this is deliberately done.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The subject-matter of the Question is a different matter. No more about it.

श्री मधु लिमये: दूसरा प्रश्न उन पांच सौ से अधिक जीपों के बारे में है, जो 1071 के लोक सभा के चुनावों के समय कांग्रेस पार्टी को मिली और जिन का दाम सवा करोड़ रुपए था।

15.12 hrs.

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS—*contd.*

THIRTY-FIRST REPORT

श्री सुखदेव प्रसाद वर्मा (नवादा): श्रीमन्, मैं प्रस्ताव करता हूं कि सभा, गैर-सरकारी सदस्यों के विधेयकों तथा संकल्पों संबंधी समिति के 31वें प्रतिवेदन से, जो सभा में 29 अगस्त, 1973 को पेश किया गया था, सहमत है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That this House do agree with the Thirty-first Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 29th August. 1973."

The motion was adopted.

---

15 13 hrs.

RESOLUTION RE DECLARATION OF PRESENT LOK SABHA AS CONSTITUENT ASSEMBLY—*contd*

MR DEPUTY-SPEAKER: We now take up further consideration of the Resolution moved by Shri Bibhuti Mishra He will continue his speech.

श्री विभूति मिश्र (मोतीहारी) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरे इस प्रस्ताव को लाने का क्या कारण है मैं इस को बतलाना चाहता हूं। पिछले ग्राम चुनाव मे जब लोक सभा का चुनाव हुआ तो हमारी नेता ने कहा कि देश से गरीबी हटाओं, यह नारा दिया और उस नारे के ऊपर, समाजवाद के ऊपर हम लोग चुन कर के आए। इस के पहले जब हम लोग अंग्रेजो से स्वाधीनता की लडाई लडते थे तो उस समय सुबह प्रार्थना मे एक मंत्र पढा करते थे—

न त्वहं कामये राज्यं न स्वर्गं न पुनर्भवम्।
कामये दुखतप्ताना प्राणिना आर्त्त नाशनम्।

उसका भी मतलब यही था कि हम को दुनिया में कुछ नही चाहिये। देश से गरिबी और दुख दर्द की तकलीफ को हटाना है। उस के बाद यह संविधान बना और यह कैसे बना यह आप को जानना चाहिये।

15.14 hrs

[SHRI S. A. KADER *in the Chair*]

हम अंग्रेजों से स्वाधीनता की लडाई लड रहे थे; उस के बाद उन का कैबिनेट मिशन आया, और कितने ही लोग आए। अंत में उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान मे विधान निर्माण सभा बनाओ। उस समय के जो असेम्बली के सदस्य थे वह साम्प्रदायिक आधार पर चुने गए थे और उन्होंने अपने प्रतिनिधियो को साम्प्रदायिक आधार पर चुन कर भेजा था, कोई राष्ट्रीयता के आधार पर नही चुन कर भेजा था। फिर पीछे फसला हो गया कि हिन्दुस्तान और पाकिस्तान का बटवारा होगा तो जो हिन्दुस्तान का हिस्सा था उस मे भी उसी साम्प्रदायिक आधार पर जो उस समय की असेम्बली के लोग चुने गए थे, वही विधान निर्मातृ परिषद के बनाने वाले मालिक बने और उस समय जो विधान निर्मातृ परिषद बनी दस लाख आदमियो के पीछे एक आदमी चुना गया। लेकिन वह इनडायरेक्ट एलेक्शन से चुने गए। दस लाख की पापुलेशन से नही चुने गए, जो उस समय की असेम्बली थी, उस असेम्बली ने दस लाख के ऊपर एक आदमी को चुना और मेरे पास बिहार की लिस्ट है, 36 आदमी उस समय थे, आप के पास टाइम हो तो मैं लिस्ट पेश करू, उस से आप को पता चलेगा कि उस मे बहुत से लोग ऐसे थे कि जिन का बिहार की सार्वजनिक लाइफ से कोई संबंध नही था जिन की हिन्दुस्तान के स्वाधीनता संग्राम से कोई मतलब नही था, ऐसे आदमी उस विधान निर्मातृ परिषद मे चुने गए। जिन को हिन्दुस्तान की उस समय की जनता का कोई पता नही था ऐसे लोग उस मे चुने गए। एक तो साम्प्रदायिक आधार पर और दूसरे ऐसे कि जिन का हिन्दुस्तान की जनता से कोई संबंध नही था ऐसे लोग चुने गए। हा, जो हमारे फ्रीडम फाइटर थे डा० राजेन्द्र प्रसाद, पंडित जवाहर लाल नेहरू, ऐसे लोग भी चुने गए। लेकिन उन मे ऐसे लोग भी चुने गए जो हिन्दुस्तान की जनता की भावना का प्रतिनिधित्व नही करते थे। दूसरे, उस समय